स्वामी विवेकानंन्द जंयती के अवसर पर अमरकटंक विश्वविद्यालय में कार्यक्रम सम्पन्न

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकटंक में स्वामी विवेकानंन्द जंयती एवं युवा दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का शुभांरम्भ सुबह 10 बजे स्वामी विवेकानंन्द की प्रतिमा पर अतिथियों एवं छात्र– छात्राओं ने माल्यापर्ण एवं पुष्प अर्पित किया गया। इस कार्यक्रम में इतिहास विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. राकेश सिंह ने मुख्य अतिथि के रुप में व्याख्यान देते हुए कहा कि स्वामी विवेकानन्द युवाओ के प्रेरणा स़्त्रोत के रुप में जाने जाते है। उन्होंने कहां कि विश्वास, आस्था, दृण्ड निश्चय के साथ कोई भी कार्य किया जाए उसमें सफलता अवश्य मिलती है। अगामी वक्ता के रुप में डॉ. पवनेश सिंह ने कहा कि स्वामी विवेकानंन्द के विचार छात्र–छात्राओं को अपने जीवन में अपनाने चाहिए एवं उनके साहित्य को पढकर मनन चिन्तन करना चाहिए। डॉ. युसुफ जाइं ने कहा कि युवा दिवस पर सभी युवाओं को भारत के विकास के लिए सच्चे मन से संकल्प लेना चाहिए कि हम सभी भारत को विश्व के विकसित देशों की सूची में पहुचा कर रहेगे। विश्वविद्यालय राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. मोहन लाल चढार ़ने बताया कि स्वामी विवेकानंन्द राष्ट्रीय सेवा योजना के प्रेरणा पुरुष के रुप मे जाने जाते है। वह समाज को एक समान दृष्टि से देखते थे एवं कुरीतियों के विरोधी थे वह अपनी बात तर्कपूर्ण तरीके से समझाते थे उन्होने कहा कि युवा दिवस पर हम सभी को शपथ लेना चाहिए कि हम अपने देश को उच्च शिखर पर पहुचाने के लिए प्रयास करते रहेगे। राष्ट्रीय सेवा योजना के विश्वविद्यालय ईकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ हरित कुमार मीणा ने कहा कि देश को विश्व के अग्रणी देशों में लाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। स्वामी विवेकानंन्द को युवाओं के प्रेरणा ़स्त्रोत बताते हुए कहा कि वह नरेन्द्रदत्त से कैसे स्वामी विवेकानंन्द बने। कार्यक्रम में अनेक छात्र –छात्राओं ने अपने विचार स्वामी विवेकानंन्द के जीवन के विषय में प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक श्री पवन कुमार एवं आयुश जैन ने किया एवं अन्त में आभार राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवक श्री विकास चंदेल ने व्यक्त किया। कार्यक्रम का का समापन राष्ट गान के साथ किया गया।

डॉ. राकेश सिंह
लोक सूचना अधिकारी
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकटंक